ललित कला (3)

वर्ष-2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय (A)

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
हिन्दी	0 0 1	हिन्दी

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

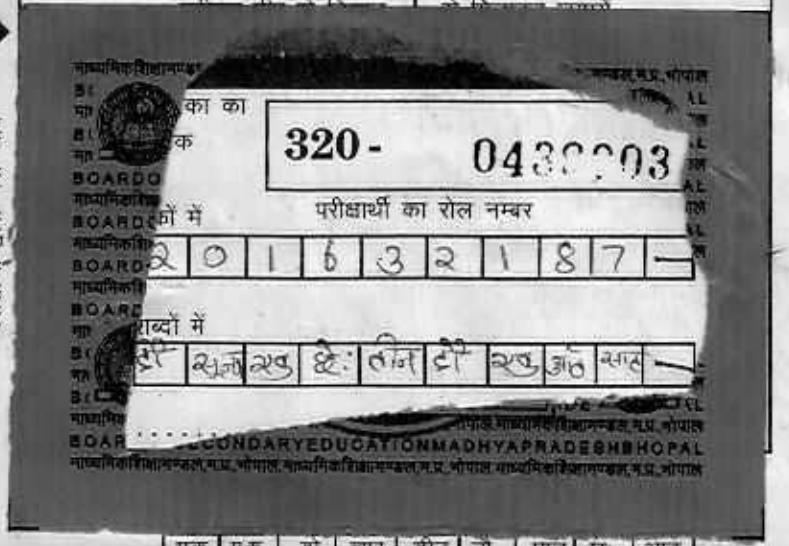

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र. भोपाल

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

320- 043[illegible]03

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में: 2 0 1 6 3 2 1 8 7 —

शब्दों में: दो शून्य एक छः तीन दो एक आठ सात —

एक | एक | दो | चार | तीन | नौ | पांच | छः | आठ

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में ✗ शब्दों में — ✗

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 1

ग :- परीक्षा का दिनांक 2 | 3 | 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

C.N.—161103

हायर सेकण्डरी परीक्षा

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Suman Jate	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
श्रीमती विजयलक्ष्मी रैकवार, उच्च माध्यमिक शिक्षक, शा.उ.मा.वि. कन्या ... कटनी	... मरवाजी (U.D.T.) ... कटनी

नोट :- "हायर सेकेण्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषय ... प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।"

केवल परीक्षक द्वारा भ...

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांक ... करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्र...
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों में ... में

पृष्ठ 2 के अंक

प्रश्न क्र. प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 1

(क)

(1) महादेवी वर्मा

(2) कबीरदास

न

न गीत

(5) पाड़ोन के अंगने मे

BSE

प्रश्न क्रमांक = 2

(ख)

यावाद

कृष्ण

ज प्रोधन

न

(5) गणेश शंकर विद्यार्थी

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्रं

प्रश्न क्रमांक = 3

(उ)

(1) असत्य

(2) सत्य

त्य

त्य

(5) सत्य

प्रश्न क्रमांक = 4

(उ)

(1) सभी विपत्तियों को हरते हैं – गणेश जी

की प्रधानता – नई कविता

वर्गीय परिवार की समस्या – नये मेहमान

की बहन – देवकी

(5) गाय करुणा की कहानी है – महात्मा गांधी

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र. प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक-5

उ॰ (1) मथुरा से उद्धव जी।

(2) ...य (1) असाध्य और (2) साध्य इन दो रूपों मे ...मारे सामने आता है।

...वित अलंकार

(4) सन 1943 - 1950 तक

(5) प्रसंसा का, मानवता का

B S E

प्रश्न क्रमांक-6 अथवा

... ने दही का दोना अपनी पीठ के पीछे छि... ...ा था।

प्रश्न क्रमांक-7

उ॰ ...तक को घातक इसलिए कहा गया है ...कि वह अपनी बोली से कवि के ...के हृदय को चोट पहुंचाता है इस ... है इसलिए कवि ने चातक को घातक कहा गया है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न ... अथवा

उ) क्षणिक आतंक से तात्पर्य तात्पर्य तात्पर्य है कि कवि युवा वीरों से कह रहा है कि ये विघ्न बाधाएं तनिक समय के ... आई हुई है। तुम विश्वास के ... आगे बढ़ते चलो ये क्षणिक आतंक ... कुछ समय के बाद छुट ही जाएगा।

प्रश्न क्रमांक = 9 अथवा

... और मालिन दोनों मधु वर्षण करके ... भविष्य मे सुरक्षा जाएगी।

प्रश्न क्रमांक = 10 अथवा

... प्रकार चंद्र सूरज भारत माता की ... ती करते है।

प्रश्न क्रमांक = 11

उ) ... हानि के भय के कारण व्यापारी ... प मे हाथ नहीं डालते।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक=12

(उ) रेवती अपने घर को जेलखाना इसलिए कहती है क्योंकि उसका घर छोटी कोठरी जीवन की सभी सुविधाओं से रहित घुटन वाली जेलखाने की तरह थी इसलिए रेवती अपने घर को जेलखाना कहती है।

प्रश्न क्रमांक=13

(उ) मुझसे बड़ा तो मेरा नाम है लेखक ने ऐसा इसलिए कहा था क्योंकि वह जानते है कि बिना मेरे नाम जाने तो मुझसे तो कोई मुझसे बात ही न करे जहाँ मै नहीं जा सकता वहाँ मेरा नाम पहुँचा है। जिन लोगों से कभी मै नहीं मिला वहाँ मेरा नाम लिखके आया है इसलिए लेखक कहते है कि मुझसे बड़ा तो मेरा नाम है।

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 14

उ)

उत्तराखंड के चारों धाम चार पवित्र नदियों के किनारे स्थित है :-

यमनोत्री – यमुना नदी के किनारे - किनारे
गंगोत्री – गंगा नदी के किनारे - किनारे
के...र नाथ – मंदाकनी नदी के किनारे - किनारे
...द्रीनाथ – अलकनंदा नदी के किनारे - किनारे

इन चार पवित्र नदियों पर ये चारों धाम स्थित है।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक = 15 अथवा

उ)

(i) अधजल गगरी छलकत जाए : आवश्यकता से अधिक दिखावा

...ोग :- स्कूल के चपरासियों के मुख से बड़े ...तों का बखान सुनके अध्यापकों को कहना ही ...ड़ा अधजल गगरी छलकत जाए।

(ii) आँखो पर पट्टी बाँधना :- अनदेखा करना

प्रयोग :- परीक्षा कक्ष मे नकल चल रही थी और अध्यापक आँखो पर, निरीक्षक आँखो पर पट्टी बाँधे बैठे थे

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 16

उ

रौद्र रस की परिभाषा :-

आश्रय के चित मे जब क्रोध नामक स्थायि भाव का विभाव, अनुभाव तथा संचारी भाव के साथ जब संयोग होता है। वहा रौद्र रस होता है।

उदाहरण :-

श्री कृष्ण के सुन वचन, अर्जुन क्रोध से जलने लगे।
सब शोक अपना भूलकर, करतल युगल मलने लगे॥

B
S
E

प्रश्न क्रमांक = 17

उ

माँ ने रामकुमार वर्मा को पढ़ाई के संबंध मे निर्देश दिया कि पुत्र पढ़ाई मे संकेत पहले लक्ष्य का ध्यान रखना जिस प्रकार अर्जुन ने सिर्फ चिड़िया कि आँख पर ध्यान दिया था। वर्मा बोले माँ मुझे तुम अर्जुन बनाना चाहती हो तो माँ बोली कर्ण बनाऊ और उनका कान मरोड़ दिया। माँ कि आज्ञा के अनुसार वर्मा ने M.A की परीक्षा मे कस्तहितिलन से परीक्षा पास कि और अच्छे नम्बरो से पास हुए।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 18

(उ) राष्ट्र भाषा :-

राष्ट्रीय स्तर पर मान्य भाषा राष्ट्र भाषा कहलाती है। यह एक सम्पूर्ण राष्ट्र कि भाषा होती है। राष्ट्र भाषा सम्पूर्ण राष्ट्र कि भाषा होती है। भारत की राष्ट्र भाषा हिन्दी है।

विशेषताए

राष्ट्र भाषा कि दो विशेषताए निम्न है

(1) राष्ट्र भाषा सम्पूर्ण राष्ट्र कि भाषा होती है।

(2) यह भाषा सम्पूर्ण राष्ट्र मे मान्य होती है।

(3) राष्ट्र भाषा सम्पूर्ण राष्ट्र मे प्रचलित होती है।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक = 19

(उ) श्लेष अलंकार की परिभाषा :- श्लेष का अर्थ है चिपकना - अर्थात जब काव्य मे एक ही शब्द के कई अर्थ निकलते है वहाँ श्लेष अलंकार होता है।

उदा.

रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
पानी गये न उबरे मोती मानुष चून।।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = २०

(क) प्रगतिवाद की दो विशेषताएँ निम्नलिखित है-

(1) शोषकों के प्रति आक्रोश।

(2) शोषित वर्गों के प्रति सहानुभूति।

इस काव्य मे नारी को बन्धन से मुक्त कराने का प्रयास किया गया है।

कवि	रचनाएँ
(1) नागार्जुन	सतरंगे पंखों वाली
(2) शिवमंगल सिंह सुमन	जीवन के गान

B S E

प्रश्न क्र.

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्रमांक = 21 अथवा

(उ)

नातक	एकांकी
(1) नातक मे कई अंक होते है।	एकांकी मे एक अंक होता है।
(2) नातक मे कथावस्तु के साथ-साथ अनेक प्रासंगिक कथाए होती है।	एकांकी मे मूल कथा होती है।
(3) नातक मे पात्रो की संख्या अधिक होती है।	एकांकी मे पात्रो की संख्या नातक की अपेक्षा कम होती है।
(4) नातक दृश्य काव्य का बृहद स्वरूप होता है।	एकांकी दृश्य काव्य का लघु स्वरूप होता है।
(5) उदा.- स्कन्दगुप्त जयशंकर प्रसाद।	उदा. नये मेहमान - उदयशंकर भट्ट।

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उ) प्रश्न क्रमांक = 22

तुलसीदास

दो रचनाएं :- (1) रामचरित मानस (2) विनय पत्रिका

भाव-पक्ष :-

भक्ति को ईश्वर प्राप्ति का साधन मानने वाले तुलसीदास जी कविवर कवि है। तुलसी दास भक्त के साथ समाज सुधारक भी थे इसलिए इन्होंने काव्य शास्त्र को माध्यम बनाकर हिन्दी की श्रेष्ठ रचनाएँ प्रदान की।

कला-पक्ष :-

तुलसीदास ने अपने ग्रंथो कि रचना ब्रज भाषा में कि है। न्होंने अरबी, फारसी, बंगाली, पंजाबी भाषा का भी प्रयोग किया है। रूप से अवधी भाषा का योग किया है। तुलसी दास ने अपने ग्रंथो में अलंकारों का प्रयोग बड़े ही मनोहारी ढंग से किया है।

साहित्य में स्थान :-

भक्ति काल के कवियों में आपका श्रेष्ठ स्थान था। तुलसी दास राम भक्ति शाखा के महान कवि थे।

B
S
E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 23

(उ)

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

दो रचनाएँ :- चिन्तामणि, विचार वीथी, अप

भाषा - शैली :- शुक्ल जी की भाषा में संकृत्ता सरलता व सुबोध है। गंभीर विषयों का प्रयोग करते समय आपकी भाषा संस्कृत गर्भित हो गई है। भाषा में विविधता है। शुक्ल जी की भाषा में आलोचनात्मक, भावात्मक, गवेषणात्मक तीनों ही शैलियों का प्रयोग यथा स्थान पर किया गया है। शुक्ल जी ने अपने निबन्धों में बड़ी कसावट विद्यमान की है।

B
S
E

साहित्य में स्थान :- शुक्ल जी एक आदर्श कथाकार के रूप में जाने जाते हैं। शुक्ल जी सभी लेखकों के लिए आदर्श हैं। उनका निबन्ध कार्यों में उनको सर्वोच्च स्थान प्राप्त है।

प्रश्न क्र.

(उ)

संदर्भ :-
प्रस्तुत साखी हमारी पाठ्य पुस्तक की अमृतवाणी नामक पाठ से ली गई है इसके रचियता कबिर दास जी है।

प्रसंग :-
यहाँ पर कबीर दास जी ने माटी एवं कुम्हार के बारे मे बताया है। और कवि कहते है यह तन क्षणभंगुर है। यह नश्वर है।

व्याख्या :-
यहाँ पर कवि ने माटी एवं कुम्हार के बारे मे बताया है। यहाँ पर माटी कुम्हार से कहती है कि आज तेरा समय है, जो तु मुझे अपने पैरो नीचे रौंद रहा है, एक दिन ऐसा आयेगा कि मै तुझे रौंदूगी और तू भी मिट्टी मे मिल जाएगा। क्योकि यह संसार क्षण भंगुर है। यह क्षण भर मे समाप्त हो सकता है। इसमे ठुकर एवं कुछ पानी पड जाय तो यह तुरंत नष्ट हो जायगा क्योकि यह कच्चे घड़े के समान है। यह कभी भी नष्ट हो सकता है।

B
S
E

(3)

सन्दर्भ :-
प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक के खेल नामक पाठ से लिया गया है इसके लेखक जैनेन्द्र कुमार जी है।

प्रसंग :-
यहाँ पर लेखक कहते है, कि यह संसार क्षण भंगुर है। इसमे दुख क्या सुख क्या और उसी के बारे मे बताया है।

व्याख्या :-
यहाँ पर लेखक कहते है। कि यह संसार क्षण भंगुर है इसमे दुख क्या सुख क्या जो जिससे बना है कल उसे उसी मे जाकर समा जाना है। यह तो पानी के बुलबुले के समान है जो उगते है। और उसी मे समा जाते है। और बुलबुले की फूट जाने मे ही सार्थकता है जो यह नही समजते है। वह दया के पात्र है। और भी लेखक सुरबाला से कहते है कि री मूर्ख लड़की तु समझ क्यो नही रही है। यह क्षण का उदाहरण है जो आज जन्मा है। कल उसी मे समा जाएगा व्यर्थ मे

प्रश्न क्र. कुल अंक

प्रश्न क्रमांक - 26

(क) क्यो परेशान हो। यह तो संसार मे जीना ही है। जो आज जन्मा है उसे कल मरना भी पड़ेगा। जिसका जन्म हुआ है। उसकी मृत्यु भी अवश्य ही होगी इससे तू किस लिए व्यर्थ में व्यथा कर रही है।

प्रश्न क्रमांक - 26

(अ) शीर्षक :-

(ब) शिक्षा का महत्व।

(स) सही श्रम वही है जो कुछ ठोस परिणाम देता है।

(द) सारांश :-

कोरा श्रमसाध्य नही। जिस देश मे कर्महिता का जितना प्रतिशत होता है वह देश तदनुकूल ही प्रगति अथवा अवनति करता है। कर्मठता लक्ष्य की निश्चितता, उत्कृष्ट अभिलाषा एवं सतत उपलब्ध के समन्वित स्वरूप का नाम है।

(18)

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 27

(5)

सेवा मे
सचिव माध्यमिक शिक्षा मण्डल
भोपाल

विषय - अंग्रेजी विषय की उत्तर पुस्तिकाओ के पुनर्गणना हेतु आवेदन पत्र

दिनांक - 2-3-2020

मान्यवर

श्री मान सचिव माध्यमिक शिक्षा मण्डल संक्षेप्य मे आपसे अनुरोध करती हूँ की मैने हाई स्कूल की परीक्षा वर्ष 2018 मे पास कि थी मेरे हर विषय मे मैं अच्छे नम्बरो से पास हुई हूँ और मेरा अंग्रेजी का भी मैने अच्छा पेपर दिया था लेकिन मुझे मेरे नम्बर कुछ काम कम रहे है।

अतः मै आप से आवेदन करती हूँ कि मेरे अंग्रेजी विषय का पुनर्गणना करने की कृपा करे तो आपकी अति कृपा होगी।

दिनांक -
2-3-2020

अनुक्रमांक - 27063282
पता - नई बस्ती पिछोर

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL
प्रश्न क्र.

उ) (अ) (iv) विज्ञान और मानव जीवन

रूपरेखा :-

(1) प्रस्तावना (2) विज्ञान वरदान के रूप में (3) विज्ञान अभिप्राय (5) उपसंहार

(1) प्रस्तावना :-

आज का युग विज्ञान का युग है। हमारे देश या अन्य कहीं भी अन्य देशों में या ये कहूँ कि संसार में विज्ञान की ही देन है जो हम इन सभी भौतिक वस्तुओं से सुख सुविधा प्राप्त कर रहे। विज्ञान हर क्षेत्र में आगे बढ़ा है चाहे वह क्षेत्र शिक्षा का हो, खाना का हो, स्वास्थ्य का हो हर क्षेत्र में विज्ञान की देन है। हमारे चारों तरफ विज्ञान के ही चमत्कार दिखाई देते हैं। विज्ञान के कारण ही हम इतने आगे बढ़े हैं विज्ञान का मानव जीवन से घनिष्ठ सम्बन्ध है। विज्ञान का और मानव का मानव और मानवता का सम्बन्ध जैसा नाता जुड़ चुका है।

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र. अंक

(2) विज्ञान वरदान के रूप में :-
(1) स्वास्थ्य के क्षेत्र में (2) शिक्षा के क्षेत्र में (3) कपड़ो के क्षेत्र में (4) बिजली के क्षेत्र में (5) उद्योग के क्षेत्र में

(A) स्वास्थ्य के ~~क्षेत्र~~ क्षेत्र में :-
स्वास्थ्य के क्षेत्र में शिक्षा का विज्ञानिक तौर तरीके से प्राप्त करके हर बीमारी का इलाज ढूंढ निकाला है। चाहे वह बिमारी चाहे कितनी बड़ी हो क्यो न हो जैसे- कैन्सर, टी.बी. आदि खतरनाक बीमारियो के भी निदान ढूंढ निकाला है।

B
S
E

(B) शिक्षा के क्षेत्र में :-
शिक्षा के क्षेत्र में भी विज्ञान ने आगे कई अच्छी तकनीको का उपयोग किया है - जैसे- कम्प्यूटर लेपटोप आदि कई उपकरणो इन्टरनेट के द्वारा से घर पर ही शिक्षा प्राप्त कर सकते है इससे शिक्षा का क्षेत्र सरल हो गया है।

(C) कपड़ो के क्षेत्र में :-
कपड़ो के क्षेत्र में जैसे कई बड़ी - बड़ी कम्पनियो में कपड़ा अब विज्ञानिक तौर तरीके से कपड़े

का नि... रहे है जिससे समय कि बचत हो रही है। कपडो का मानव जीवन मे विशेष महत्व है।

(D) बिजली के क्षेत्र मे :-

बिजली के क्षेत्र मे विज्ञान ने बडा युगदान दिया है बिजली के बहुत से साधन हमारी भौतिक आवश्यकताओ के काम आति है। बिजली के उपकरण जैसे- हीटर - ट्यूबलाईट - बिजली की केतली आदि।

(E) उद्योग के क्षेत्र मे :-

उद्योग के क्षेत्र मे कई कम्पनियाँ विज्ञान को ने बनाई है जिनमे लाखो व्यक्तियो को रोजगार प्राप्त हुआ है।

(3) विज्ञान अभिशाप :

विज्ञान अभिशाप जैसे जिस काम मे लाखो मजदूर मजदूरी करते थे आज वही काम मशीनो द्वारा दस व्यक्तियो द्वारा हि काम किया जाने लगा जिससे वे लाखो लोग बेसहारा बेरोजगार हुए रहे है उन्हे आपत्ति है कि वे अपना और परिवार वालो का सब पेट कैसे भरे। इस

B S E
MADHYA PRADESH BOARD OF SECONDARY EDUCATION BHOPAL

प्रश्न क्र.

वजह से मे
अभिशाप बन कर बैठा है।

(ज) उपसंहार :-

आज के युग मे विज्ञान मानव की परम आवश्यकता बन गया है चाहे वह कोई भी क्षेत्र हो मानव विज्ञान के बिना आज चाल शरीर के बराबर खाली है। विज्ञान मानव के लिए वरदान एवं अभिशाप दोनो रूपो मे उपयोगी है। विज्ञान के द्वारा मनुष्य बहुत अधिक ऊंचाई पर उठा है। उठने का एक कारण विज्ञान ही है। आज के युग मे विज्ञान का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान है। मानव जीवन मे विज्ञान की बड़ी जरूरी है।

(23)

प्रश्न क्र.

(प्र. ...

रूपरेखा: (1) प्रस्तावना (2) जल का महत्व (3) जल प्रदूषण होने के कारण (4) जल दूषित होने से रोकने के निदान (5) जीवन मे जलका महत्व उपसंहार।

B
S
E